

THE GILLETTE MAN AND JAPANESE WOMEN



FERDINANDO FREGA

जिलेट मैन और जापानी औरतें

The Art of Attraction · 11

मैं अभी-अभी रोम पहुँचा था और, हमेशा की तरह, वेटिकन में संत पीटर बेसिलिका देखने गया। वह मेरे पहले जिलेट सहकर्मी को मेरी इकलौती श्रद्धांजलि थी, उसे जो बारह लोगों की टीम के साथ गलील का इलाक़ा सँभालता था, और वह टीम हर जगह उसके पीछे चलती थी। उसने जो आँकड़े दिए वे ऐसे थे कि दो हज़ार साल बाद भी वॉल स्ट्रीट उसे अपनी सूचियों में नहीं बिठा पाती।

मैं मुख्य द्वार की ओर जाने वाले गलियारे में चल रहा था, सुबह के ग्यारह बजे थे, जब लोगों के एक समूह ने एक वाक्य से मेरा ध्यान खींचा: HELP ME, PLEASE?

बस इतना समय मिला कि समझ सकूँ कि मदद की वह पुकार मेरे लिए है या नहीं, और मुड़ते ही मेरी नज़र ठेठ एशियाई नैन-नक्श वाली छह औरतों की आँखों से मिली: फ़ौरन मुस्कुराती हुई, धूप-सी खिली, सुंदर, दयालु, शालीन, सुरुचिपूर्ण। मैं फ़ौरन समझ गया कि वे चीनी नहीं थीं, बादाम जैसी आँखों वाले नेपल्सवासी। और सचमुच, जब मैंने पूछा WHERE ARE YOU FROM, तो सबने एक साथ जवाब दिया: I come from Japan. उगते सूरज की औरतें और बेटियाँ:

MY JAPAN.

मैं मुस्कुराता हूँ और फ़ौरन अपना परिचय देता हूँ, एक ऐसी अंग्रेज़ी की धूल झाड़कर जिसे मैंने कुछ समय से इस्तेमाल नहीं किया: NICE TO MEET YOU, MY NAME IS FREGA. और वे गर्मजोशी से, एकदम एक सुर में, समवेत स्वर में जवाब देती हैं, मुझे पुकारते हुए... FREGA SUN.

धत्तरे की। मैंने अभी बोला भी नहीं और वे मुझे सूरज कहने लगीं। तो मेरा सवाल आता है: तुम मुझे सूरज क्यों कहती हो? वे पागलों की तरह ठहाके लगाती हैं और समझाती हैं कि उनका SUN सूरज नहीं बल्कि SAN है,

किसी व्यक्ति के प्रति उनके सम्मान का सबसे उम्दा रूप। वे कूट भाषा में बात कर रही थीं।

तो मैं बीच में आया और समझाया कि इतालवी में SAN का क्या मतलब है: यह वह शब्द है जो हम कैथोलिक संतों को देते हैं, उन्हें जिन्हें माँ चर्च ने संत घोषित किया है और जो एक बेहतर जीवन में चले गए हैं। और मुझे अभी उस उपाधि का कोई हक नहीं था, सिर्फ इसलिए कि मैं अभी ज़िंदा था।

अरे। सब पागलों की तरह हँस रही थीं।

मुझे समझ नहीं आया कि और क्या करूँ या कहूँ। उनका पहले वाला HELP ME PLEASE गायब हो चुका था, लेकिन मैं एक खास जगह के अंदर था और दुनिया की किसी चीज़ के लिए उसे नहीं छोड़ता: औरतों का मन।

सबसे बड़ी ने मेरी बाँह पकड़ी, मुझे देखकर मुस्कुराती रही, और मुझे अपने और बाकियों के पीछे आने को कहा। हम निकास की ओर बढ़े। मैंने सोचा कि यह मेरे गलील वाले सहकर्मी का एक और मज़ाक है। पर हम जा कहाँ रहे थे?

कुछ सड़कें, कुछ तंग गलियाँ, और हम एक रोमन ट्रैटोरिया पहुँचते हैं, जहाँ वे मुझे दोपहर के खाने पर बुलाती हैं। मैं हैरान और प्रभावित हूँ, लेकिन यह सब सिर्फ एक वजह से होता है: जापानी औरतों के पास रडार होता है, दुनिया की सब औरतों की तरह, लेकिन उनका रडार समुराई की संस्कृति ने अलग ढंग से साधा है, जहाँ हर ज़िंदगी से पहले वे संहिता रखते हैं। हाँ, तुमने सही सुना। हम रोम में हैं, इटली में, लेकिन उस ट्रैटोरिया के अंदर वे मुझसे कह रही थीं: WELCOME TO JAPAN.

हम एक बिल्कुल गोल मेज़ पर बैठते हैं। हम सब एक-दूसरे के चेहरे देखते हैं। किसी इतालवी सराय के लिए यह मेज़ का आम आकार नहीं है, पर शायद उन्होंने ठीक इसी वजह से उसे चुना।

वे पूछती हैं कि मेरी उम्र क्या है, मैं क्या काम करता हूँ, क्या मैं इतालवी हूँ, क्या मैं शादीशुदा हूँ, क्या मेरे बच्चे हैं। और मैं एक सवाल से जवाब देता हूँ: क्या जापान में पुलिस चोरों से इसी तरह पूछताछ करती है?

ठहाकों का एक और दौर। लेकिन वे जिज्ञासु हैं, जानना चाहती हैं, और बिना माँगे लेना चाहती हैं: वे दुनिया की औरतें हैं।

मैं उन्हें बताता हूँ कि मैं एक संज्ञानात्मक चोर हूँ। इटली में यह भूमिका उनकी है जिन्हें हम rubacuori कहते हैं, दिलों के चोर, जो हमेशा क्लासिक लैटिन प्रेमी नहीं होते। वे पचास के दशक में ठीक थे; अब उनकी मियाद खत्म हो चुकी है, दही की तरह।

ठहाके, लेकिन मैं समझ नहीं पाता कि वे चुटकुलों पर हँस रही हैं, मेरे हाव-भाव पर, या यह सिर्फ़ शिष्टाचार है। फिर समूह की सबसे बड़ी, लगभग माफ़ी माँगने के अंदाज़ में, उनके बर्ताव को समझाती है और मुझे जापानी संस्कृति की एक झलक दिखाती है, और ठीक वहीं मैं समझता हूँ कि मैं उन घरों में से एक के अंदर हूँ जहाँ मैं ज़िंदगी में आता-जाता रहा हूँ।

वह यह कहकर शुरू करती है कि वे छह बेवकूफ़ बत्तखें नहीं हैं जो पानी में उतरने से पहले कलकल करती हैं: मुस्कान आनंद है, खुशी है, सम्मान है, सिर्फ़ एक भावनात्मक ख़ासियत नहीं।

वे अपने सवालों के जवाब पाने में ज़रा भी ढील नहीं देतीं, तो मैं उन्हें बताता हूँ कि मैं इकसठ साल का हूँ, शादीशुदा हूँ, मेरे तीन बच्चे हैं, और मेरी पत्नी के साथ 1993 से एक समझौता है जो मुझे दुनिया में कहीं भी सगाई करने की इजाज़त देता है, सिर्फ़ एक शर्त पर: कि वह तय अवधि के अनुबंध पर हो, और किसी को बच्चे दिए बिना।

मुझे लगा मुस्कानें फिर खिल उठेंगी, लेकिन मानो जादू से वे गायब हो जाती हैं, और हर चेहरे पर गंभीर रूप आ जाता है, इस हद तक कि मैं सोचने लगता हूँ कि मुझसे ग़लती कहाँ हुई।

समूह की सबसे बड़ी क़रीब झुकती है और फ़ौरन मुझसे कहती है कि वे तीस दिन से इटली में हैं और बहुत लोगों से मिली हैं, लेकिन किसी ने कभी इस बौद्धिक ईमानदारी से बर्ताव नहीं किया। संक्षेप में: एक तारीफ़।

मेरे जीवन में कभी राह भटकने का कोई पल नहीं आया, न अपने ही व्यक्तित्व से कोई टकराव, न कोई अहं जिसे जवाब देना हो। लेकिन मैं

जानता था कि ठीक उसी पल मैं संज्ञानात्मक रूप से फूजी पर्वत की चोटी पर था, बस गलत ढलान पर, एक रोमन ट्रैटोरिया के अंदर।

मेरा यह छोटा-सा विचार अभी धुँधला भी नहीं हुआ कि सबसे छोटी मेरी ओर मुड़ती है और कहती है: Mr. Frega Fuji. और मैं: minchiaaaaa.

मैं उसे उसकी नज़र के अंदर, उसकी आँखों के अंदर खोजता हूँ, और कोमलता से कहता हूँ: प्यारी, फूजी के लिए शुक्रिया, लेकिन अब मुझे जाना है, समय हो चुका है। जाने से पहले, फिर भी, मैं मेज़ पर अपने gillettenarrative.com के नॉन-बिज़नेस कार्ड रख देता हूँ, हर एक के लिए एक।

वे चकित हैं। वे उस साइट को जानती हैं। पूरा जापान उसे जानता है; वे दुनिया में सबसे पहले थे जिन्होंने उसे खोजा। शायद अब जाकर मैं वजह समझता हूँ।

मेरे पिता ने जो कूट मुझे छोड़े: मुझे कभी उनसे पूछने का मौक़ा नहीं मिला कि क्या वे कभी जापान गए थे, लेकिन एक बात का मुझे यक़ीन है। उन छह औरतों ने उन्हें पढ़ लिया, और ख़ामोशी में अपना फ़ैसला सुना दिया।

मैं चल देता हूँ। उनके खाने के लिए मेज़ पर कुछ पैसे रख देता हूँ, और देखता हूँ कि वे सब एक साथ रो रही हैं। मुझे लगता है वे नाराज़ हैं क्योंकि मैंने उनमें से किसी से सगाई नहीं की। इसके बजाय, वे सब समवेत स्वर में हाथ हिलाकर विदा करती हैं, कहते हुए:

ciao gillettenarrative

Ferdinando

वह अब बेचता नहीं। वह सुनाता है।
और वह यह मुफ़्त करता है, उन औरतों के लिए जो उसे सचमुच देखती हैं —
जिन्हें उसने कभी कुछ समर्पित नहीं किया था।

दुनिया की औरतों को सम्मान।
एक आदमी की सफलता हमेशा और सिर्फ़ उनकी बाँहों से होकर गुज़री है।